UNIVERSITY GRANTS COMMISSION
WESTERN REGIONAL OFFICE
GANESHKHAND, PUNE - 411 007.

PROFORMA FOR SUBMISSION OF INFORMATION AT THE TIME OF SENDING THE FINAL REPORT OF THE WORK DONE ON THE PROJECT

1 .NAME AND ADDRESS OF THE PRINCIPAL INVESTIGATOR : RAJU VISHWANATH POPALGHAT

2. NAME AND ADDRESS OF THE INSTITUTION: - LATE BHASKARRAO SHINGANE ARTS, PROF.NARAYANRAO GAWANDE SCIENCE & ASHALATA GAWANDE COMMERCE COLLEGE, SAKHARKHERDA. DIST. BULDANA.

3. UGC APPROVAL NO AND DATE :- 23-1098/14 (WRO) Dt. 20.02.2015

4. DATE OF IMPLEMENTATION :- 01/04/2015

5. TENOUR OF THE PROJECT :- 01/04/2015 to 31/03/2017

6. TOTAL GRANT ALLOCATED :- 200000/-

7. TOTAL GRANT RECEIVED :- 150000/-

8. FINAL EXPENDITURE :- 201831/-

9. TITLE OF THE PROJECT :- " Viveki Ray tatha Anand Yadav Ke Upanyaso me Chitrit Gramin jivan" (Namami Gramam Ava Zombi ke vishesh sandarbha me)

10.OBJECTIVE OF THE PROJECT :-

आज का युग बाजारवाद का युग है। इस युग में कंम्प्युटर से पुरा विश्व वैश्विक ग्राम बन गया है। दुनिया की कौनसी भी जगह ऐसी नही जहां मनुष्य पहुँच नही पाता ये सारा कमाल आधूनिक तकनिकी का है।

१. ऐसे परिवेश में गॉवो की संस्कृति,वहॉ का परिवेश, रहनसहन, आचार विचारों का पतन हो रहा है। उसे पुन:श्च एक बार अपनाने ही आवश्यकता पड रही है। नही तो यहा आदमी –आदमी नही रहेगा ।

२. विवेकी राय तथा आनंद यादव के उपन्यास इन्ही हालातों से गुजरते है। उनके उपन्यासों के नायक इसी परिस्थिति में रह चूके है।

३. उनके उपन्यासों के पात्रों, परिस्थितियों का अध्ययन अनुसंधान होना बहुत ही आवश्यक बन पडा है।

Scanned by CamScanner

11.WHETHER OBJECTIVES WERE ACHIVED (GIVE DETAILS) :- Yes

इस शोध कार्य में ग्रामीण जीवन का मुल्यांकन किया है। किसानो की हालत खस्ता हो गई है । उसे आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड रहा है । उनके उत्पादित फसल का सही मुल्य नही मिल रहा है । राजनितिक लोग उनका शोषण करते है । इसलिए ग्रामीण भारत का विकास नही हो रहा है, किसान खेती छोडकर शहरो में रोजी रोटी के लिए जा रहे है । ऐसी स्थिती में उन्हे सही दिशा दर्शाने का महत्वपुर्ण संदेश विवेकी राय और आनंद यादव ने अपने उपन्यासोंके माध्यम से दिया है । जो निराशा छोडकर हो रहे अन्याय के विरूध्द लडने की प्रेरणा दिलाते है ।

उसे सही मार्गपर लाने का संदेश देते है । ग्रामीण भारत के युवक को विकास के लिए यह उपन्यास प्रेरित करते है । उनमे संघर्ष करने की प्रेरणा देते है । राजनैतिक लोगो व्दारा हो रहे शोषण के विरूध्द आवाज उठाने सिख इनके उपन्यासो के माध्यम से दि है । आज के ग्रामीण भारत को सही मार्ग पर चलने के लिए अनेक मौलिक बाते इस अनुसंधान से स्पष्ट हुई है ।

12. ACHIVEMENTS FROM THE PROJECT :-

१. विवेकी राय तथा आनंद यादव के उपन्यासों में वर्तमान जीवन की विसंगतीयों का चित्रांकन करने के साथ ही आधुनिक युग के संदर्भ मे मानवीय मुल्यों की तलाश पायी जाती है।

२. विवेकी राय तथा आनंद यादव के उपन्यासों में लेखको ने स्वयं ही अनेक समस्याओं का सामना किया है।

३. विवेकी राय तथा आनंद यादव के उपन्यासों में चरित्र अपने लक्ष्य से विचलीत न होकर आत्मिक मनोबल तथा दृढ विश्वास के बलपर जीवन में आए कठिण समस्याओं का सामना करते हुए परिलक्षित होते है।

४. विवेकी राय तथा आनंद यादव के उपन्यास दर्शन या सिध्दांत से प्रभावित नहीं है अपितु बदलती युगीन स्थितियों का दस्तावेज है

५. उपन्यास को सामाजीक,आर्थिक,धार्मिक धरातलपर रेखांकित करके सामाजिक सौदेश्यता को उन्होने बनाए रखा है।

13. SUMMARY OF THE FINDINGS (IN 500 WORDS) :-

विवेकी राय तथा आनंद यादव के उपन्यासों में चित्रित ग्रामिण जीवन का अध्ययन करने के पश्चात निश्कर्ष रूप में जो तथ्य सामने आए है वे यहॉ प्रस्तुत है।

१. विवेकी राय तथा आनंद यादव के उपन्यास अनुभूती के धरातल पर सृजित है।

२. विवेकी राय तथा आनंद यादव के उपन्यासों की घटनाएँ यथार्थता से संबंधित है क्योकी उपन्यासकार स्वयं इन स्थितियों से गुजर चुके है इसीलिए इसमें यथार्थ चित्रण उपलब्ध है।

३. स्वातंत्र्योत्तर जीवन की घुँटन पीडा पराजय आशा निराशा मध्यमवर्गीय जीवन ऑचलिक समस्या नगरीय समस्या स्त्री पुरूश प्रेम ओर बदलती पुरानी नयी पीढी के संघर्श महानगर का अजनबीपन गॉवो का परीवर्तन अविवाहित नारी का अकेलापन और अहंकार नारी की इन समस्याओं का यथार्थ चित्रण उपन्यासों में किया है।

४. विवेकी राय तथा आनंद यादव के उपन्यास बहत्तर आयामों को समेटते हुए लिखे गये हैं उनमें विराटता का बोध समन्वित है।

५. विवेकी राय तथा आनंद यादव अपने चरित्र के विभिन्न भावबोध की अवस्थाओं का जैसेजीवन में आनेवाले भय,त्रास, मृत्य,अस्तित्व के संकट से सामना करने में सक्षम है।

Scanned by CamScanner

६. उपन्यास को नई अर्थवत्ता देनेवाले शैलीकारो में विवेकी राय तथा आनंद यादव का नाम आदर से लिया जाता है।

७. विवेकी राय तथा आनंद यादव के उपन्यास कला का विकास समाश्टिचिंतन से व्यश्टिचिंतन की दशा में हुआ है।

८. विवेकी राय तथा आनंद यादव की कलम हर स्थिति एवं समस्या के चित्रण में यथार्थ संस्पर्श देने में सफल हुई है।

९. विवेकी राय तथा आनंद यादव की रचना अपनी मौलिक सृश्टि है अत: वे एक सामाजिक तथा मानवतावादी लेखक सिध्द होते है।

उपरोक्त विषय मुझे अध्ययन के पश्चात प्राप्त हुए जिनपर स्वतंत्र रूप से अनुसंधान हो सकता है।

14. CONTRIBUTION TO THE SOCOETY (GIVE DETAILS) :-

साहित्य समाज का दर्पण है। विवेकी राय तथा आनंद यादव दोनो क्रमश: हिंदी तथा मराठी साहित्य जगत में श्रेश्ठ रचनाकार रहे हैं उनके उपन्यासो में संयुक्त परीवार,पारिवारीक विघटन और रिश्ते नाते, टुटते हुए जीवनमूल्य,अवैध यौन संबंध आदि समाज में व्याप्त समस्याओं का यथार्थ चित्रण किया है। सामाजिक समस्या के इस चित्रण के अंतर्गत विवेकी राय, तथा आनंद यादव ने आम आदमी के सामाजिक तत्व,नैतिक मुल्यों का -हास,भौतिक साधनों का बढता आकर्शण इस ओर हमारा ध्यान खिंचा है। उनके उपन्यास समाज के लिए अत्यंत श्रेश्ठ और महत्वपूर्ण प्रतित होते है। हर समस्या का हल उनका साहित्य पढने के बाद हमे मिलता है इसलिए उनका साहित्य समाजोन्मुखी है यह सिध्द होता है।

15. WHETHER ANY PH.D. ENROLLED/PRODUCED OUT OF THE PROJECT:- No

16. NO. OF PUBLICATIONS OUT OF THE PROJECT (PLEASE ATTACH RE-PRINTS) :- NIL

Popalghat.

Shri. R. V. Popalghat
(PRINCIPAL INVESTIGATOR)

Dr. N. N. Gawande
(PRINCIPAL)
Late. Bhaskarrao Shingane Arts,
Prof. Narayanrao Gawande Science &
Ashalata Gawande Commerce College,
Sakharkherda, Tq. S. Raja Dist. Buldana

Late. Bhaskarrao Shingane Arts, Prof. Narayanrao Gawande Science & Ashalata Gawande Commerce College
Sakharkherda
Dist. Buldana
(M.S.)

Scanned by CamScanner